NCERT
National Council Of Educational Research And Training

NCERT Solutions for 8th Class Hindi:Chapter 7-क्या निराश हुआ जाए

IndCareer
Schools
indCareer indCareer indCareer

NCERT Solutions for 8th Class Hindi:Chapter 7-क्या निराश हुआ जाए

Class 8: Hindi Chapter 7 solutions. Complete Class 8 Hindi Chapter 7 Notes.

NCERT Solutions for 8th Class Hindi:Chapter 7-क्या निराश हुआ जाए

NCERT 8th Hindi Chapter 7, class 8 Hindi Chapter 7 solutions

पृष्ठ संख्या: 39

प्रश्न अभ्यास

आपके विचार से

1. लेखक ने स्वीकार किया है कि लोगों ने उन्हें भी धोखा दिया है फिर भी वह निराश नहीं हैं। आपके विचार से इस बात का क्या कारण हो सकता है**?**

उत्तर

लेखक ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों का वर्णन करते हुए कहा है की उसने धोखा भी खाया है। पर उसका मानना है कि अगर वो इन धोखों को याद रखेगा तो उसके लिए विश्वास करना बेहद कष्टकारी होगा और इसके साथ-साथ ये उन लोगों पर अंगुली उठाएगा जो आज भी ईमानदारी व मनुष्यता के सजीव उदाहरण हैं। यहीं लेखक का आशावादी होना उजागर होता है और उन्हीं लोगों का सम्मान करते हुए उनकी उपेक्षा नहीं करना चाहता जिन्होनें कठिन समय में उसकी मदद की है। इस कारण वो अभी भी निराश नहीं है।

NCERT 8th Hindi Chapter 7, class 8 Hindi Chapter 7 solutions

पृष्ठ संख्या: 40

पर्दाफाश

1. दोषों का पर्दाफ़ाश करना कब बुरा रूप ले सकता है**?**

उत्तर

दोषों का पर्दाफ़ाश करना तब बुरा रूप ले सकता है जब हम किसी के आचरण के गलत पक्ष को उद्घाटित करके उसमें रस लेते है। हमारा दूसरों के दोषोद्घाटन को अपना कर्तव्य मान लेना सही नहीं है। हम यह नहीं समझते कि बुराई समान रूप से हम सबमें विद्यमान है। यह भूलकर हम किसी की बुराई में रस लेना आरम्भ कर देते हैं और अपना मनोरंजन करने लग जाते हैं। हमें करना चाहिए बल्कि उनके अच्छाईओं को भी सरहाना चाहिए।

NCERT 8th Hindi Chapter 7, class 8 Hindi Chapter 7 solutions

सार्थक शीर्षक

1. लेखक ने लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' क्यों रखा होगा**?** क्या आप इससे भी बेहतर शीर्षक सुझा सकते हैं**?**

उत्तर

लेखक ने इस लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' उचित रखा है क्योंकि यह उस सत्य को उजागर करता है जो हम अपने आसपास घटते देखते रहते हैं। अगर हम एक-दो बार धोखा खाने पर यही सोचते रहें कि इस संसार में ईमानदार लोगों की कमी हो गयी है तो यह सही नहीं होगा। आज भी ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने अपनी ईमानदारी को बरकरार रखा है। लेखक ने इसी आधार पर लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' रखा है। यही कारण है कि लेखक कहता है "ठगा में भी गया हूँ, धोखा मैनें भी खाया है। परन्तु, ऐसी घटनाएँ भी मिल जाती हैं जब लोगों ने अकारण ही सहायता भी की है, जिससे मैं अपने को ढाँढस देता हूँ।"

यदि लेख का शीर्षक "उजाले की ओर" होता तो शायद लेखक की बात को और बल मिलता।

NCERT 8th Hindi Chapter 7, class 8 Hindi Chapter 7 solutions

पृष्ठ संख्या: 41

भाषा की बात

1. दो शब्दों के मिलने से समास बनता है। समास का एक प्रकार है-द्वंद्व समास। इसमें दोनों शब्द प्रधान होते हैं।जब दोनों भाग प्रधान होंगे तो एक-दूसरे में द्वंद्व (स्पर्धा, होड़) की संभावना होती है। कोई किसी से पीछे रहना नहीं चाहता, जैसे - चरम और परम = चरम-परम, भीरु और बेबस = भीरू-बेबस। दिन और रात = दिन-रात।

'और' के साथ आए शब्दों के जोड़े को 'और' हटाकर (-) योजक चिह्न भी लगाया जाता है। कभी-कभी एक साथ भी लिखा जाता है। द्वंद्व समास के बारह उदाहरण ढूँढ़कर लिखिए।

उत्तर

1	सुख और दुख	सुख-दुख
2	भूख और प्यास	भूख-प्यास
3	हँसना और रोना	हँसना-रोना
4	आते और जाते	आते-जाते
5	राजा और रानी	राजा-रानी
6	चाचा और	चाचा-चा

	चाची	ची
7	सच्चा और झूठा	सच्चा-झूठा
8	पाना और खोना	पाना-खोना
9	पाप और पुण्य	पाप-पुण्य
10	स्त्री और पुरूष	स्त्री-पुरूष
11	राम और सीता	राम-सीता
12	आना और जाना	आना-जाना

2. पाठ से तीनों प्रकार की संज्ञाओं के उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर

व्यक्तिवाचक संज्ञा: रबींद्रनाथ टैगोर, मदनमोहन मालवीय, तिलक, महात्मा गाँधी आदि।

जातिवाचक संज्ञा: बस, यात्री, मनुष्य, ड्राइवर, कंडक्टर, हिन्दू, मुस्लिम, आर्य, द्रविड़, पति, पत्नि आदि।

भाववाचक संज्ञा: ईमानदारी, सच्चाई, झूठ, चोर, डकैत आदि।

NCERT 8th Hindi Chapter 7, class 8 Hindi Chapter 7 solutions

IndCareer

Chapterwise NCERT Solutions for Class 8 Hindi Vasant :

- Chapter 1 ध्वनि
- Chapter 2 लाख की चूड़ियाँ
- Chapter 3 बस की यात्रा
- Chapter 4 दीवानों की हस्ती
- Chapter 5 चिट्ठियों की अनूठी दुनिया
- Chapter 6 भगवान के डाकिये
- Chapter 7 क्या निराश हुआ जाए
- Chapter 8 यह सबसे कठिन समय नहीं
- Chapter 9 कबीर की साखियाँ
- Chapter 10 कामचोर
- Chapter 11 जब सिनेमा ने बोलना सीखा
- Chapter 12 सुदामा चरित
- Chapter 13 जहाँ पहिया हैं
- Chapter 14 अकबरी लोटा
- Chapter 15 सूरदास के पद
- Chapter 16 पानी की कहानी
- Chapter 17 बाज और साँप
- Chapter 18 टोपी

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc.Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices;collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education.In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education.Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. Visit the Official NCERT website to learn more.